1950 में पहले गणतंत्र दिवस समारोह में इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुकर्णो मुख्य अतिथि थे। 1950-54 के दौरान गणतंत्र दिवस समारोह अलग-अलग जगहों (जैसे इरविन स्टेडियम, किंग्सवे रेड फोर्ट और रामलीला मैदान) पर होते थे।

अपने पहनावे से खास पहचान रखने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गणतंत्र दिवस की परेड के दौरान केसरिया रंग का 'बंधेज' साफा पहना। संजय

नई दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड में देश के शौर्य, शक्ति और समृद्धि का प्रदर्शन किया गया। 71वें गणतंत्र दिवस के मौके पर राजपथ पर निकाली गई परेड का विहंगम दृश्य। प्रेट्र

राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की ओर से आयोजित 'एट होम' कार्यक्रम के मौके पर प्रसन्न मुद्रा में ब्राजील के राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो (दाएं) और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। प्रेट्र

प्रधानमंत्री ने बांधा केसरिया रंग का साफा, परंपरा बरकरार

- गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस पर पीएम के परिधान की होती रही है चर्चा
- मोदी ने देशवासियों को दी गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं

नई दिल्ली, एजेंसियां : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस पर साफा बांधने की अपनी परंपरा को बरकरार रखते हुए इस बार 26 जनवरी को केसरिया रंग का 'बंधेज' साफा बांधा। पारंपरिक कुर्ता, पाजामा और जैकेट के साथ बंधेज साफा बांधकर वे राजपथ पर आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में शामिल हुए। बंधेज साफा मुख्य रूप से राजस्थान और गुजरात में प्रचलित है।

गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री के परिधान में खास तौर पर उनके साफे की काफी चर्चा होती है। पिछले साल प्रधानमंत्री ने लाल किले की प्राचीर से छठी बार स्वतंत्रता दिवस का भाषण दिया था। उस दौरान उन्होंने कई रंगों वाला साफा बांधा था। वहीं 2014 में मोदी ने प्रधानमंत्री के तौर पर पहली बार अपने भाषण के दौरान लाल रंग का बंधेज साफा पहना था, जिसकी पीछे की पट्टी का रंग हरा था। प्रधानमंत्री ने 2015 में धारीदार पट्टियों वाला साफा बांधा था, जिनमें से कुछ का रंग लाल और गहरा हरा था। 2016 में लाल किले से भाषण के दौरान वह गुलाबी और पीले रंग वाले साफे में नजर आए थे। वहीं 2017 में उन्होंने चमकदार लाल और पीले रंग का साफा पहना था। मोदी ने देशवासियों को 71वें गणतंत्र दिवस की शुभकामना दी। रिपब्लिक डे हैशटैग से उन्होंने हिंदी और अंग्रेजी में ट्वीट किया, आप सबको गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं।

पीएम की झलक पाने की दिखी बेताबी

निहाल सिंह, नई दिल्ली : सफेद कुर्ता, सदरी और केसरिया पगड़ी में राजपथ पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक की निगाहें टिकी थीं। परेड शुरू होने से पहले और खत्म होने के बाद सभी की नजरें पीएम को तलाश रही थीं। हर किसी के दिल में उनसे हाथ मिलाने की तमन्ना हिलोरे मार रही थी। दूर से ही सही, सभी कोशिश में लगे थे कि किसी तरह उनकी एक तस्वीर प्रधानमंत्री के साथ मोबाइल में कैद हो जाए और 71वां गणतंत्र दिवस उनके लिए यादगार बन जाए। प्रधानमंत्री की लोकप्रियता का आलम यह था कि नेशनल वॉर मेमोरियल के लिए राजपथ से जब तेज रफ्तार से उनका काफिला गुजरा तो हर कोई उन्हें देखने को उतावला था। शहीदों को नमन कर लौटते वक्त उन्होंने हाथ हिलाकर लोगों के अभिवादन पर आभार जताया। वह जिस तरफ हाथ हिला देते सैकड़ों की संख्या में लोग खड़े होकर स्वागत करने लगते। परेड की समाप्ति के बाद जब राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद समेत अन्य गणमान्य अतिथि वहां से चले गए।

राजपथ पर जोशीले जवानों की कदमताल

जश्न-ए-गणतंत्र ▶ 46 घुड़सवार अंगरक्षकों के साथ पहुंचे राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद

सेना और सुरक्षा बलों के बैंड की धुन ने लोगों का मोहा मन

विनीत त्रिपाठी, नई दिल्ली

राजपथ पर जोश, जुनून और जज्बे से सराबोर हजारों नागरिकों का उत्साह चरम पर था। हो भी क्यों न। आखिर यह मौका था शौर्य और पराक्रम की नित नई गाथा लिख रहे नए भारत के 71वें गणतंत्र दिवस का। कड़ाके की ठंड के बीच बड़ों से लेकर बच्चों तक का उत्साह देखते ही बनता था। जोशीले जवानों के कदमताल से लेकर सैन्य पराक्रम को देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गर्मजोशी से अभिवादन किया।

46 घुड़सवार अंगरक्षकों के साथ पहुंचे राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्वागत करने के बाद शुरू हुई परेड ने खूब रोमांचित किया। सुबह पांच बजे से ही राजपथ पर पहुंचे लोग राजपथ की तरफ टकटकी लगाए परेड का इंतजार कर रहे थे। इसी बीच कैप्टन दिपांशु श्योरान के नेतृत्व में घुड़सवार रेजिमेंट पहुंची। राजपथ पर गड़गड़ाते टैंक और तोपों की सलामी ने बच्चों को अपनी तरफ आकर्षित किया। वहीं 'हम हैं सीमा सुरक्षा बल की धुन बजाते ऊंट पर सवार सीमा सुरक्षा बल के जवानों का बैंड राजपथ पर पहुंचा तो लोगों ने तालियों से उनका स्वागत किया। नौसेना के ब्रास बैंड जय भारती धुन पर नौसेना मार्चिंग दस्ते ने कदमताल करते हुए लोगों के रोंगटे खड़े कर दिए। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के बैंड ने देश के हम हैं रक्षक धुन से लोगों को मोह लिया तो भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के ब्रास बैंड ने सारे जहां से अच्छा हिंदोस्तां हमारा की धुन पर रोमांचित किया।

एनसीसी कैडेट के बैंड ने कदम-कदम बढ़ाए जा की धुन बजाते हुए राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को सलामी दी तो 17 एनसीसी महानिदेशालयों के कैडेटों का प्रतिनिधित्व कर रहे उत्तर प्रदेश के जूनियर अंडर ऑफिसर चरनदीप सिंह भदौरिया के नेतृत्व में कैडटों ने कदमताल कर लोगों को अपनी ओर आकर्षित किया।

बेटियों के पराक्रम ने किया रोमांचित : केंद्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स की इंस्पेक्टर सीमा नाग ने चलती हुई बुलेट पर खड़े होकर राष्ट्रपति को सलामी दी तो चलती हुई मोटरसाइकिल पर खड़ी होकर हवलदार मीना चौधरी ने पिस्टल पोजीशन का हैरतअंगेज कारनामा करके दिखाया। इसके अलावा एक ही मोटरसाइकिल पर चार से लेकर सात महिला सुरक्षाकर्मियों ने राइफल पोजीशन, ऑल राउंड डिफेंस जैसे पराक्रम का प्रदर्शन किया। इस दौरान एनसीसी महिला कैडेटों के बैंड ने सलामी देकर सशक्त भारत की तस्वीर पेश की।

बाल विजेताओं को देख प्रेरित हुए बच्चे : बहादुरी, खेल, नवोन्मेष, शैक्षिक, कला, संस्कृति समेत अन्य क्षेत्रों में अतुलनीय प्रदर्शन के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित हुए बच्चे भी राजपथ पर आकर्षण का केंद्र रहे। फूलों से सजी जीपों पर बैठे इन बच्चों को देख राजपथ पर दर्शकदीर्घा में मौजूद बच्चे न सिर्फ आकर्षित हुए, बल्कि कुछ बेहतर करने के लिए प्रेरित भी हुए।

अनुच्छेद-370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर में भी गणतंत्र दिवस काफी उत्साह से मनाया गया। बच्चों ने भी हिस्सा लिया। यह तस्वीर कश्मीर के कुपवाड़ा की है। सैन्य अधिकारी की गोद से राष्ट्रीय ध्वज को सैल्यूट कर रहा बच्चा मानो कह रहा हो कि उसके हाथ छोटे भले हैं, तिरंगे के लिए प्रेम असीम है। एएनआइ

देशभक्ति के जज्बे ने ठंडी हवाओं को भी दी मात

नेमिष हेमंत, नई दिल्ली : कड़ाके की ठंड के बावजूद चार बजे भोर से ही लोगों में देशप्रेम का जज्बा राजपथ पर देखने को मिला। ऐसा लग रहा था जैसे राजधानी की हर सड़क राजपथ पर आकर मिलती हो। लोग परिवार के साथ परेड स्थल की तरफ इस तरह बढ़ रहे थे मानो देशभक्ति के जज्बे ने बर्फीली हवाओं को मात दे दी हो। ओस से भीगी हुई कुर्सियों को कोई रूमाल से तो कोई मफलर से साफ कर रहा था।

परेड शुरू होने से पहले पूरे राजपथ पर चल रहे 'मेरा रंग दे बसंती चोला' और 'दिल दिया है जान भी देंगे ऐ वतन तेरे लिए' जैसे राष्ट्रभक्ति गीत लोगों के जोश को परवाज दे रहे थे। सुबह 6 बजे तक सभी कुर्सियां भर गई थीं। कुछ लोग तिरंगा लहराते और चेहरे पर तिरंगा पेंट कराकर भी पहुंच रहे थे। हालांकि, कई लोग सीटें भर जाने की वजह से प्रवेश नहीं मिलने पर मायूस भी हुए। जैसे-जैसे आसमान में सूरज की लालिमा आ रही थी, लोगों की बेसब्री बढ़ती जा रही थी। फिर जैसे ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का काफिला वार मेमोरियल की ओर बढ़ा, लोग उत्साहित हो उठे।

सोशल मीडिया ने भी मनाया गणतंत्र का पर्व

सोशल मीडिया भी गणतंत्र दिवस के जश्न में डूबी रही। फेसबुक से लेकर ट्विटर व वाट्सएप में गणतंत्र दिवस के बधाई संदेश छाए रहे। इसमें सामान्य लिखे शब्दों के साथ फोटो, स्टीकर व वीडियो का भी लोगों ने देशप्रेम के इजहार के लिए इस्तेमाल किया। वहीं, फेसबुक और इंस्टाग्राम पर तिरंगे की सलामी लेते, राष्ट्रगान गाते, तिरंगे परिधान और चेहरे को तिरंगे का रंग दिए फोटो भी खूब शेयर किए गए।

रूद्र और ध्रुव ने आकर्षित किया

▶ प्रथम पृष्ठ से आगे

परेड के दौरान आकाश में एडवांस लाइट हेलीकॉप्टर रूद्र और ध्रुव की उड़ान और नीचे जमीन से आसमान में मार करने वाली आकाश मिसाइल की झलक लोगों को अपनी सीटों से खड़ा करने के लिए पर्याप्त था। सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी और उनकी पत्नी भी इस दौरान खुद को कुर्सी से उठने को रोक नहीं पाए।

राफेल-तेजस पर खूब बजीं तालियां : अंतरिक्ष में भी दुश्मन को माकूल जवाब देने के लिए बनी भारत की पहली एंटी सेटेलाइट मिसाइल के साथ डीआरडीओ की झांकी में जब राफेल और तेजस लड़ाकू विमान नजर आए तो लोग तालियों से अपना संदेश देते नजर आए।

सारे जहां से अच्छा हिंदुस्ता हमारा की धुन बजाते आइटीबीपी के बैंड और दिल्ली पुलिस के दस्ते में शामिल छह फुट से अधिक लंबे जवानों के मार्च ने भी सबका ध्यान खींचा। प्रधानमंत्री वीरता पुरस्कार से सम्मानित वीर बच्चे भी मार्च पास्ट में शामिल हुए।

जगुआर-सुखोई की रफ्तार ने किया चमत्कृत : 780 किलोमीटर की रफ्तार से उड़ान भरते पांच जगुआर विमान, 900 किमी की स्पीड से उड़ते सुखोई-30 जेट, सी-130 हरक्यूलस और सी-17 ग्लोब मास्टर के हैरतअंगेज करतबों ने सबको चमत्कृत कर दिया। प्रधानमंत्री मोदी भी वायुसेना के इन विमानों के करतब को हैरत भरी निगाहों से देखते नजर आए। पहली बार शामिल हुए चिनूक हेलीकॉप्टर के साथ पांच अपाचे हेलीकॉप्टरों ने भी अपने शौर्य की झलक दिखाई।

महिला मोटरसाइकिल दस्ते ने खींची नई लकीर

राजपथ पर 71वें गणतंत्र दिवस समारोह में सीआरपीएफ की महिला जवान बाइक पर हैरतअंगेज कारनामे दिखाती हुई। ध्रुव कुमार

वायुसेना के लड़ाकू विमानों की आसमानी अठखेलियां और सीआरपीएफ के महिला मोटरसाइकिल दस्ते के जांबाज करतबों ने राजपथ का रोमांच चरम पर पहुंचा दिया। गणतंत्र दिवस पर पहली बार इन महिला मोटरसाइकिल सवारों ने हिस्सा ही नहीं लिया बल्कि अपने अद्भूत करतब से हजारों लोगों की दिल की धड़कनें तेज कर दी। रफ्तार से चलती मोटरसाइकिल पर अकेले खड़ी होकर राष्ट्रपति को सलामी देने से लेकर पिस्टल चलाने और सीढ़ियां चढ़ने का कमाल।

22 झांकियों से दिखी बहुमूल्य सांस्कृतिक विरासत

सैन्य पराक्रम की झलक से पहले राजपथ पर 16 राज्यों समेत कुल 22 झांकियों से दर्शक रूबरू हुए। देश के अलग-अलग क्षेत्रों की संस्कृति और विरासत की छटा वाली इन झांकियों में मेढक को संरक्षित करने का संदेश देने वाली झांकी ने सबका मन मोहा।

'हमें हमेशा प्रकाश में रहने वाला भारत बनाना है'

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के उत्तर प्रदेश पूर्वी क्षेत्र के कार्यकर्ता बैठक में हिस्सा लेने बीते तीन दिन से गोरखपुर में प्रवास कर रहे संघ प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को गणतंत्र दिवस के अवसर पर सरस्वती शिशु मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में झंडारोहण किया।

इस अवसर पर उन्होंने तिरंगे के प्रारूप से वैभवशाली भारत की रूपरेखा प्रस्तुत की। तिरंगे के केसरिया रंग को संघ प्रमुख ने श्रेष्ठता का प्रतीक बताया। कहा कि यह त्याग का रंग है। यह रंग हमें भारत को निरंतर प्रकाश में बनाये रखने की प्रेरणा देता है। उन्होंने इसके लिए स्वयसेवकों और बच्चों को संकल्प भी दिलाया। सफेद रंग को उन्होंने पवित्रता और ज्ञान का प्रतीक बताया। तिरंगे का सफेद रंग हमें पवित्र भाव से सबके कल्याण की प्रेरणा देता है। हरे रंग को उन्होंने संवृद्धि का प्रतीक बताया। गणतंत्र दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा देश के संविधान ने सभी नागरिकों के अधिकार और कर्तव्य तय किये हैं। लेकिन यह अधिकार और कर्तव्य अनुशासन के दायरे में होंगे तभी देश के लिए बलिदान देने वाले क्रांतिकारियों का सपना पूरा हो सकेगा।

फ्रेंडली फायर में शहीद दो पायलटों को वायु सेना पदक

- स्पाइडर मिसाइल का शिकार हुआ था सेना का एमआइ-17 हेलीकॉप्टर
- बालाकोट सर्जिकल स्ट्राइक के बाद पाकिस्तान के साथ तनाव के दौरान हुआ था हादसा

नई दिल्ली, एजेंसियां : जम्मू-कश्मीर के बडगाम में गलती से अपनी ही मिसाइल का शिकार हुए सेना के एमआइ-17 हेलीकॉप्टर के दो पायलटों स्क्वॉड्रन लीडर सिद्धार्थ वशिष्ट और निनाद अनिल मांडवगणे को मरणोपरांत वायुसेना पदक (वीरता) देने की घोषणा की गई है। हेलीकॉप्टर में सवार चार अन्य सदस्यों फ्लाइट इंजीनियर विशाल कुमार पांडेय, सार्जेंट विक्रांत सहरावत, सिपाही दीपक पांडेय एवं सिपाही पंकज कुमार को भी मरणोपरांत 'मेंशन इंन डिस्पैच' से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान भी वीरता के लिए दिया जाता है।

बता दें कि बालाकोट में आतंकी सगठन जैश के ठिकाने पर सर्जिकल हमले के बाद पाकिस्तान के लड़ाकू विमान को भगाने के क्रम में कमांड एवं नियंत्रण की विफलता के चलते पिछले साल 27 फरवरी को यह हादसा हुआ था। पुलवामा में सीआरपीएफ के काफिले पर आतंकी हमले के बाद भारत ने सर्जिकल स्ट्राइक किया था। आतंकी हमले में 40 से ज्यादा जवान शहीद हो गए थे। पहले तो इस हादसे को दुर्घटना बताया गया था। लेकिन बाद में जांच में पता चला था कि भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के दौरान यह हेलीकॉप्टर वायु सुरक्षा मिसाइल प्रणाली स्पाइडर का शिकार हो गया था। इस हादसे में एक आम नागरिक की भी मौत हो गई थी। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया ने इसे बड़ी भूल करार दिया था। उन्होंने कहा था कि कोर्ट ऑफ इंक्वायरी में यह स्पष्ट हो गया कि यह वायुसेना की गलती थी।

वायुसेना के इन वीर जवानों के अलावा गणतंत्र दिवस के मौके पर राष्ट्रपति ने वायुसेना के उपप्रमुख एयर मार्शल हरजीत सिंह अरोड़ा समेत छह शीर्ष वायुसेना अधिकारियों को परम विशिष्ट सेना पदक दिए जाने की मंजूरी दी। नौ वरिष्ठ अधिकारियों को अति विशिष्ट सेवा पदक और 29 अधिकारियों को वायु सेना पदक प्रदान किए जाने को भी मंजूरी दी है।

परेड के दौरान आसमान से फूल बरसाते हुए नीचे गिरा पैराग्लाइडर पायलट

बिलासपुर, जेएनएन : हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में गणतंत्र दिवस पर आयोजित समारोह के दौरान एक बड़ा हादसा हो गया। जिला मुख्यालय पर समारोह के दौरान पैराग्लाइडर पायलट आसमान से फूल बरसा रहा था। इस दौरान फूल बरसाते हुए संतुलन बिगड़ने से पैराग्लाइडर पायलट सीधा नीचे आ गिरा, गनीमत रही कि वह सीधा जमीन पर गिरने की बजाय पंडाल पर थम गया। इस कारण उसे भी कम चोट लगी। बताया जा रहा है पैराग्लाइडर पायलट को मामूली चोटें आई हैं। लैंडिंग करते वक्त अचानक संतुलन बिगड़ने से पायलट सही लैंडिंग नहीं कर पाया और पैराग्लाइडर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। समारोह के मुख्य अतिथि आइपीएच मंत्री महेंद्र सिंह ठाकुर थे। मंत्री ने घायल पैराग्लाइडर का कुशलक्षेम पूछा व उसकी बहादुरी के लिए उसे सम्मानित भी किया।

कार्यक्रम के दौरान एकाएक पैराग्लाइडर नीचे गिरने से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आइपीएच मंत्री महेंद्र सिंह ठाकुर समेत पूरा प्रशासनिक अमला सदर समेत तमाम विधायक दहशत में आ गए।

कह के रहेंगे

माधव जोशी

जुनून

-20 डिग्री में लगे भारत माता की जय के नारे, सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है आइटीबीपी के जवानों का यह वीडियो

लद्दाख में 17000 फीट पर लहराया तिरंगा

जम्मू, जेएनएन

बर्फीला रेगिस्तान कहे जाने वाले लद्दाख में 17000 फुट की ऊंचाई, -20 डिग्री सेल्सियस तापमान और बर्फबारी के बीच लहराता राष्ट्रीय ध्वज और भारत माता की जय, वंदे मातरम के नारे भारत के सपूतों की बहादुरी और जोश को दर्शा रहा है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आइटीबीपी) के जवानों की यह वीडियो हर देशवासी को भारतीय होने का गर्व दिला रही है। वीडियो फुटेज में दिख रहा है कि हिमवीरों ने सफेद रंग की वर्दी पहनी हुई है और हाथों में लिया हुआ तिरंगा तेज हवा में लहरा रहा है। सर्द मौसम, हांड कपा देने वाली ठंड की परवाह न करते हुए भारत माता की जय, वंदे मातरम के नारे इन जवानों में देशभक्ति का जोश और देश सेवा की भावना साफ दिख रही है।

15 आइटीबीपी कर्मी सम्मानित : गणतंत्र दिवस पर कुल 15 आइटीबीपी कर्मियों को देश सेवा की भावना को देखते हुए पदक के साथ सम्मानित किया गया है। आइटीबीपी सेना का गठन 24 अक्टूबर 1962 को हुआ था। वर्तमान में, आइटीबीपी को लद्दाख के काराकोरम दर्रे से लेकर अरुणाचल प्रदेश के जचप ला तक 3488 किलोमीटर तक फैली भारत-चीन सीमा की सुरक्षा का जिम्मा सौंपा गया है। यह जानकार और भी हैरानी होगी कि भारत-चीन सीमा के पश्चिमी, मध्य और पूर्वी क्षेत्रों में 9000 फुट से 18,700 फुट की ऊंचाई पर बनी सीमा चौकियों पर तैनात रहकर, भारत माता के ये सच्चे सपूत अपनी जान की परवाह न करते हुए दिन-रात इस बात का ध्यान रखते हैं कि देश के दुश्मन हमारी सीमा में घुसपैठ कर यहां अशांति न फैलाएं।

आइटीबीपी के जवानों ने बर्फ का रेगिस्तान कहे जाने वाले लद्दाख में तिरंगा लहराने के बाद वंदेमातरम और भारत माता की जय के नारे लगाए, जिससे बर्फीला इलाका गूंज उठा। एएनआइ

SIHANTA IAS
GS
SECURE-PT
कला एवं संस्कृति
रजनीश राज
निःशुल्क कार्यशाला
आज 1:00PM
530, MUKHERJEE NAGAR, DELHI-09
Ph: 011-42875012, 8743045487